RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार, 28 नवंबर 2022 वर्ष 04 अंक 191 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई में बनेगा असम भवन...!

सीएम शिंदे ने दी मंजूरी

संजय राउत ने बोला हमला

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा हैं। इस बीच सीएम एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि उन्होंने नवी मुंबई में असम भवन के निर्माण की अपने समकक्ष हिमंत बिस्वा सरमा के अपील को इजाजत दे दी है। गुवाहाटी में हिमंत बिस्वा सरमा के साथ बैठक के बाद सीएम शिंदे ने कहा कि असम में महाराष्ट्र भवन बनेगा। इस बीच, शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने सीएम शिंदे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि असम भवन पहले से ही नवी मुंबई में मौजूद है।

संजय राउत ने कहा कि हर राज्य यहां जमीन चाहता है, महाराष्ट्र के पास अन्य राज्यों में जमीन नहीं है। गौरतलब है कि सीएम शिंदे और सरमा के बीच रविवार को गुवाहाटी के उसी होटल में बैठक हुई, जहां शिंदे और शिवसेना के अन्य बागी विधायक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार को गिराने से पहले 11 दिनों तक ठहरे थे।

बता दें कि सीएम शिंदे के ऑफिस से जारी एक बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने इंडस्ट्री, बुसिनेस और पर्यटन के क्षेत्र में दोनों राज्यों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा की। शिंदे, उनके मंत्रियों और सांसदों ने अपने परिवारों के साथ शनिवार को कामाख्या देवी मंदिर के दर्शन किए और बाद में सरमा के साथ मिलन समारोह में शामिल हुए।

जारी किए गए बयान में कहा गया कि सीएम शिंदे ने महाराष्ट्र में सत्ता संघर्ष के दौरान सपोर्ट के लिए सीएम सरमा को धन्यवाद दिया। शिंदे ने सरमा को महाराष्ट्र आने के लिए आमंत्रित भी किया। शिंदे ने नवी मुंबई में असम भवन के निर्माण के लिए सरमा के अनुरोध को स्वीकार कर लिया, जबकि असम सरकार उत्तर-पूर्वी राज्य में महाराष्ट्र भवन की स्थापना के लिए भूमि प्रदान करेगी। इस बयान में सीएम सरमा के हवाले से कहा गया कि जब सीएम शिंदे को महसूस हुआ कि उनकी पार्टी (शिवसेना) का रास्ता गलत है और वह इसे ठीक करना चाहते हैं, तो सहायता प्रदान की गई। संजय राउत ने साधा निशानाः इस बीच, मुंबई में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि नवी मुंबई में असम भवन पहले से मौजूद है। हर राज्य मुंबई में जमीन चाहता है। लेकिन, महाराष्ट्र का अन्य राज्यों में जगह नहीं है। महाराष्ट्र के इंडस्ट्री छीन लिए जाते हैं और उसकी ही जमीन पर दावा ठोंक दिया जाता है। संजय राउत ने आगे कहा कि असम के सीएम एक पूर्व कांग्रेसी हैं और शिंदे एक पूर्व शिवसैनिक हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर DRI की बड़ी कार्रवाई...!

7.9 किलोग्राम हेरोइन जब्त!

50 करोड़ रु. की हेरोइन के साथ जिम्बाब्वे के दो नागरिक गिरफ्तार

मुंबई : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जिम्बाब्वे के दो नागरिकों को 50 करोड़ रुपये मूल्य की 7.9 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को इसकी जानकारी दी।

ट्रॉली बैग में हल्के भूरे रंग के पाउडर से भरे कुछ पैकेट मिले: अधिकारी

अधिकारी ने कहा कि विशिष्ट सूचना के आधार पर, डीआरआई की मुंबई जोनल इकाई ने शुक्रवार को हवाईअड्डे पर जाल बिछाया और अदीस अबाबा (इथियोपिया) से यात्रा कर रहे एक पुरुष और एक महिला को रोका। उन्होंने कहा कि उनके सामान की तलाशी लेने पर टीम को उनके ट्रॉली बैग में हल्के भूरे रंग के पाउडर से भरे कुछ पैकेट मिले।

जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 करोड़ रुपये

अधिकारी ने बताया कि पाउडर में हेरोइन होने की पुष्टि हुई है और प्रतिबंधित पदार्थ का वजन 7.9 किलोग्राम था। जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 50 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि आरोपियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया और एक विशेष अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अधिकारी ने कहा कि डीआरआई मामले में शामिल ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने के लिए आगे की जांच कर रहा है।

48.5 लाख रुपये कीमत का 1192 ग्राम सोना जब्त

सीमा शुल्क विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने कोच्चि हवाईअड्डे पर 48.5 लाख रुपये कीमत का 1192 ग्राम सोना जब्त किया है। आरोपी दुबई से आया था। यात्री के शरीर के अंदर छिपाए गए कैप्सूल में सोना पाया गया। सोने की तीन चेन भी बरामद की गई हैं।

महाराष्ट्र में बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर गिरा फुटओवर ब्रिज, 20 लोगों के घायल होने की खबर

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक बड़ा हादसा हो गया है. यहां बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज का एक हिस्सा ढह गया. हादसे के समय कई यात्री फुटओवर ब्रिज से गुजर रहे थे. फुटओवर ब्रिज का हिस्सा टूटते ही यात्री रेलवे ट्रैक पर गिर गए. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हादसे में 20 लोग घायल हो गए है. इनमें से 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है.

फुटओवर ब्रिज का एक हिस्सा गिरने के बाद राहत कार्य जारी है. फिलहाल अभी तक किसी भी यात्री के मरने की खबर नहीं है. फंसे हुए लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है. हादसे में घायल यात्रियों को तुरंत नजदीक के अस्पताल पहुंचाया गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर काजीपेट पुणे एक्सप्रेस पकड़ने के लिए कई यात्री 1 नंबर प्लेटफार्म से 4 नंबर प्लेटफार्म पर जा रहे थे. इसी दौरान अचानक फुटओवर ब्रिज का एक हिस्सा ढह गया. यह घटना करीब 5 बजे की बताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक फुटओवर ब्रिज की ऊंचाई करीब 60 फीट है.

फुटओवर ब्रिज हादसे में घायल होने वालों में से 13 लोगों के नामों की जानकारी सामने आई है. बताया जा रहा है कि घायलों की संख्या अभी बढ़ सकती है. इससे पहले फुटओवर ब्रिज हादसे को लेकर सीपीआरओ सीआर शिवाजी सुतार ने बताया कि नागपुर मंडल के बल्हारशाह में रविवार शाम करीब 5.10 बजे फुट ओवरब्रिज के स्लैब का हिस्सा गिर गया. इस घटना में कई लोग घायल हो गए और सभी को प्राथमिक इलाज के बाद सिविल अस्पताल भेज दिया गया है. हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना अभी नहीं है.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार, 28 नवंबर 2022

संपादकीय / लेख

पाक सेना के नए मुखिया!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

अतीत के अनुभवों को देखते हुए कहना कठिन है कि पाक सेना के नये प्रमुख बनने से भारत के साथ रिश्तों में कोई खास बदलाव होगा। लेकिन पाक राजनीतिक टकराव की ओर अग्रसर जरूर हो जायेगा। दरअसल, जनरल बाजवा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति को देश में छाये राजनीतिक संकट के घटक के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व आईएसआई प्रमुख आसिम मुनीर को सेना प्रमुख तथा साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी का अध्यक्ष नामित किया था। पूर्व में इमरान खान सरकार के दौरान राष्ट्रपति बने आरिफ अल्वी ने दोनों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इमरान की पार्टी के सदस्य रहने के बाद राष्ट्रपति बनने के चलते कयास लगाये जा रहे थे कि वे इन नियुक्तियों को कुछ समय के लिये टाल सकते हैं। बाजवा के बाद सबसे वरिष्ठ सेना अधिकारी की सेना प्रमुख के रूप में नियुक्ति को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिये एक झटके के रूप में देखा जा रहा है। जो इमरान के समय से पहले चुनाव कराने के लिये चलाये जा रहे आंदोलन के मार्ग में एक बाधा बन सकते हैं। आसिम मुनीर के पाक की कुख्यात गुप्तचर संस्था इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस यानी आईएसआई के मुखिया रहने के दौरान ही वर्ष 2019 में पुलवामा हमला हुआ था। जिसके उपरांत दोनों देशों में तनाव चरम पर पहुंच गया था। तब उन्हें इमरान खान के आदेश पर पद से हटा दिया गया था। इस शीर्ष खुफिया एजेंसी के मुख्य अधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल सबसे छोटा यानी सिर्फ आठ माह का रहा था। बाद में आसिम मुनीर द्वारा इमरान की पत्नी के कदाचार के मामले उजागर करने की चर्चा भी रही थी।

कुल मिलाकर इमरान खान व आसिम मुनीर के रिश्ते तल्खी भरे रहे हैं। कयास लगाये जा रहे हैं कि इमरान की आगे की राह मुश्किल होने वाली है। विगत में इमरान पर हुए हमले की साजिश रचने का आरोप वे सेना पर लगा चुके हैं। दूसरी ओर पाक के सेना प्रमुख के रूप में अपने अंतिम संबोधन में कमर जावेद बाजवा ने जो कुछ कहा, उसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जा सकता है। उन्हें पाकिस्तानी लोकतंत्र में हद दर्जे की दखल रखने वाली सेना की कारगुजरियों की सफाई देनी पड़ी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बाजवा के कार्यकाल में सेना लगातार घरेलू राजनीति और विदेश नीति में बड़ी दखल करती रही है। जिसको लेकर देश-विदेश में खासी आलोचना हुई है। यहां तक कि गत अप्रैल में इमरान सरकार को गिराने के आरोप भी सेना पर लगे। इमरान खान खुलकर ऐसे आरोप लगाते रहे हैं। बहरहाल, निवर्तमान जनरल ने स्वीकार किया कि सेना दशकों से पाकिस्तान की राजनीति में अवैध रूप से दखल देती रही है। साथ ही कहा कि सेना अब ऐसा नहीं करेगी। सवाल ये उठता है कि बासठ वर्ष की उम्र में सेवा में विस्तार का सुख भोगने के बाद वे ये बातें अब क्यों कह रहे हैं। वे कैसे आश्वासन दे सकते हैं कि भविष्य में सेना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करेगी। लेकिन वहीं दूसरी ओर राजनीतिक दलों को उन्होंने चेतावनी भी दी है कि वे सेना के धैर्य की सीमा की परीक्षा न लें। यह भी कि तमाम बदलावों के बीच सेना देश में स्थायित्व के लिये प्रयासरत रहती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह कि बाजवा को इस मौके पर 1971 में भारत के हाथों मिली करारी शिकस्त याद आ गई। उन्होंने अपनी विदाई के मौके पर 1971 के युद्ध के इतिहास को फिर से लिखने की कुत्सित कोशिश कर डाली।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

सोशल मीडिया पर अमेरिकन से हुई फ्रेंडशिप...!

गिफ्ट भेज मुंबई की महिला को लगा दिया लाखों का चूना

मुंबई : मुंबई से एक धोखाधड़ी का मामला सामने आ रहा हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर मिले एक अमेरिकन फ्रेंड ने मुंबई की एक महिला को झांसे में लेकर साढ़े सात लाख रुपए ऐंठ लिए हैं। पीड़ित महिला बेस्ट बस के ड्राइवर की वाइफ है। पीड़ित महिला को आरोपी ने महंगा गिफ्ट देने की बात कहीं थी। वहीं इस गिफ्ट को हासिल करने के लिए कस्टम ड्यूटी के नाम पर इस ठगी को अंजाम दिया है। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर एक महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि यह वारदात किसी अकेले शख्स का नहीं हैं, बल्कि इस तरह की वारदात में पूरा का पूरा गिरोह शामिल हैं। मुंबई के चूनाभट्ठी में रहने वाली महिला सविता खुने ने पुलिस में शिकायत की है। बताया कि वह हाउस वाइफ हैं। एक दिन उन्हें एक अमेरिकन शख्स ने 22 सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर फॉलो किया तो महिला ने उसे फॉलोबैक किया। इसके बाद उसके साथ उनकी दोस्ती हो गई। 25 सितंबर को महिला के इस अमेरिकन दोस्त ने बताया कि वह उनके लिए एक महंगा गिफ्ट भेज रहा है। पहले तो महिला ने गिफ्ट लेने से मना कर दिया था, लेकिन आरोपी ने कहा कि उसने पहले ही डिस्पैच कर दिया है।

बता दें कि पीड़ित महिला ने बताया कि दो दिन बाद यानी 27 सितंबर को ही उन्हें एक महिला ने का फोन आया। उसने खुद दिल्ली कस्टम से बताते हुए कहा कि उनका 30 हजार डॉलर (करीब 24 लाख रुपए) एक गिफ्ट रिसीव हुआ है, लेकिन इसकी कस्टम ड्यूटी जमा नहीं हुई है। उस महिला ने गिफ्ट हासिल करने के लिए कस्टम ड्यूटी जमा कराने को कहा।

पीड़ित महिला ने आगे बताया कि 24 लाख रुपए के गिफ्ट की बात सुनकर उसके मन में लालच में आ गया। इसके बाद उसने महिला द्वारा बताए गए अकाउंट में कस्टम ड्यूटी के नाम पर साढ़े सात लाख रुपये जमा कर दिए। बावजूद इसके, जब एक महीने बाद भी गिफ्ट उसके पास नहीं पहुंचा तो उसने आरोपी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन काफी कोशिश के बाद भी आरोपी से कोई संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद पीड़ित महिला ने इस मामले की जानकारी अपने पति को बताई।

बता दें कि इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ठगी का यह तरीका काफी पुराना हो चुका है। इस संबंध में लगातार लोगों को जागरुक भी किया जा रहा है। इसके बावजूद कुछ लोग इस तरह से झांसे में आ जाते हैं। इसी तरह के मामले में पुलिस ने कुछ जालसाजों को पकड़ा भी था। इनमें कुछ विदेशी नागरिकों का भी हाथ हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने रामायण मेले का किया शुभारंभ,

बोले- अयोध्या के विकास में धन की कमी नहीं होने देंगे

मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को सरयू तट स्थित रामकथा पार्क में 41वें रामायण मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास भी मौजूद रहे। यह मेला 30 नवंबर तक जारी रहेगा। इसके समापन समारोह की मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल होंगी। रामायण मेला में राम विवाह उत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। इस बार रामायण मेला बेहद भव्य तरीके से आयोजित किया जा रहा है।

इसके पहले अयोध्या के जीआईसी मैदान में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या सप्तपुरी में से एक पुरी है। 500 वर्षों के इंतजार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे राम मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। अयोध्या को दुनिया की सर्वोत्तम नगरी बनाना है। अयोध्या में केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार की तीस हजार करोड़ की परियोजनाएं चल रही हैं। यहां आध्यात्मिक नगरी बनने के साथ ही भौतिक साधनों का भी उपलब्धता होगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में विकास के लिए धन की कमी नहीं होगी। उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है। दीपोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन उनकी अयोध्या के प्रति अपार श्रद्धा और निष्ठा है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले बिजली आती ही नहीं थी और अब बिजली जाती नहीं है। आज पूरी अयोध्या एलईडी लाइट से जगमगा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में सड़कों के चौड़ीकरण में जो व्यापारी विस्थापित हो रहे हैं हम उनका पुनर्वास भी करेंगे। अयोध्या से जुड़ने वाले सभी मार्गों को फोरलेन व सिक्स लेन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन भी किए।

चमकेंगे मुंबई के स्काईवॉक लाइटिंग और सजावट करेगी बीएमसी

मुंबई : मुंबई में स्टेशनों के आसपास जिस उद्देश्य से स्काईवॉक बनाए गए थे उस हिसाब से इसका उपयोग नहीं हो रहा है। कई स्काईवॉक खराब हो गए हैं तो कई पर लाइट की व्यवस्था न होने के कारण असामाजिक तत्वों का कब्जा रहता है। बीएमसी ने मुंबई के सौंदर्यीकरण के लिए बीएमसी ने 1700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसी योजना के तहत स्काईवॉक को बेहतर बनाने की योजना बनाई है। बीएमसी की योजना के अनुसार स्काईवॉक की लाइटिंग की जाएगी और उसकी सजावट होगी। जिससे लोग दिन हो या रात आसानी से स्काईवॉक का इस्तेमाल कर सके। इसके लिए बीएमसी 65 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई में स्काईवॉक का उपयोग आम नागरिकों द्वारा किया जाना चाहिए, विशेष रूप से रात में इसके लिए स्काईवॉक पर सफाई, पेंटिंग और लाइटिंग का काम किया जाएगा। आनेवाले दिनों में स्काईवॉक लाइटिंग से जगमगाएंगे।

बता दें कि मुंबई में स्टेशन के आसपास 36 स्काईवॉक बनाए गए

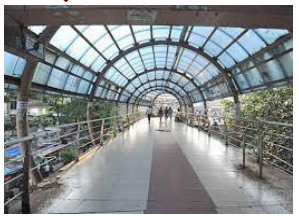

हैं। इसमें से 28 एमएमआरडीए ने और 8 एमएसआरडीसी ने बनाए हैं। इन स्काईवॉक के निर्माण पर करीब 700 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। बाद में इसकी देखभाल की जिम्मेदारी बीएमसी को सौंप दिया गया है। ज्यादातर स्काईवॉक की स्थिति खराब है। वहीं उचित व्यवस्था न होने के कारण ज्यादातर का बहुत काम उपयोग होता है। असामाजिक तत्वों और हॉकर्स का कब्जा रहता है। रात में कई जगह लाइट की व्यवस्था नहीं रहती इसके वजह से लोग आने-जाने से बचते हैं। स्काईवॉक के काब्स और पवार ब्लॉक उखड़े रहते हैं। बीएमसी में नगरसेवकों ने कई बार स्काईवॉक की दुर्दशा का मुद्दा उठाया था। नगरसेवकों ने इसे बीएमसी के लिए सफेद हाथी कहा था। क्योंकि इस पर बीएमसी का खर्च होते है, लेकिन उससे मिलता कुछ नहीं है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार, 28 नवंबर 2022

10 बच्चों की मां प्रेमी के साथ फरार, पति थाने के लगा रहा चक्कर

कन्नौज : कन्नौज जिले में प्यार में दिवानी हुई 10 बच्चों की मां प्रेमी के साथ फरार हो गई। पल्लेदार पति थाने के चक्कर काट रहा। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर महिला की तलाश शुरू की है। वहीं घर में उसके नौ बच्चे बिलख रहे है। जबकि एक दुधमुंहा बच्चे को वह साथ ले गई। तालग्राम थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर्वा गांव निवासी पल्लेदार ने थाना पुलिस को तहरीर दी। इसमें बताया कि उसके 10 बच्चे हैं। एक माह पूर्व पत्नी सिकंदरपुर बैंक से रुपया निकालने गई थी। इस दौरान वह अपने साथ पांच एक वर्षीय बच्चे और आठ के बच्चे को साथ लेकर गई थी। रुपये निकालेन के बाद पांच वर्षीय बेटे को बैंक में छोड़ गई। जबकि प्रेमी के साथ आठ माह के बच्चे को लेकर फरार हो गई। काफी प्रयास के बाद भी पत्नी का पता नहीं चल रहा। एएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर महिला की तलाश की जा रही है। जल्द उसे खोज लिया जाएगा।

डॉ. आंबेडकर पर्यटन सर्किट का बढ़ेगा दायराः फडणवीस

स्कूल स्तर पर यात्राएं आयोजित करने का विचार ...

मुंबई : उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर पर्यटन सर्किटके माध्यम से उनके जीवन कार्य और विचारों को सभी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इस पर्यटन सर्किट का दायरा बढ़ाकर स्कूल स्तर पर यात्राएं आयोजित करने का विचार है। उपमुख्यमंत्री चेंबूर फाइन आर्ट सोसायटी में 26 नवंबर संविधान दिवस के उपलक्ष्य में भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर पर्यटन टूर सर्किट के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले, पर्यटन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, पर्यटन सचिव सौरभ विजय, बार्टी के महासंचालक धम्मज्योती गजभिये, पर्यटन संचालक बीएन पाटिल, महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल की प्रबंध संचालक श्रद्धा जोशी आदि उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन से जुड़े स्थल और बुद्धिस्ट

स्थल के समावेश वाले राज्य के महत्वपूर्ण जगहों को इस पर्यटन टूर में शामिल किया गया है। विभाग के अनुसार सर्किट मुंबई, कोकण, पुणे, नाशिक, औरंगाबाद और नागपुर जिले हैं। इस पर्यटन सर्किट के जरिए बाबा साहेब के विचारों को सभी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में ऐसा टूरिस्ट सर्किट बनाया है और सरकार उसी तर्ज पर महाराष्ट्र में भी टूरिस्ट सर्किट बनाने पर विचार कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन संघर्ष और उनके कार्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में यह पर्यटन सर्किट बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

फडणवीस ने कहा कि महापुरुषों के निवास पर जाना एक अनूठा अनुभव होता है। इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने का भी प्रयास किया जाएगा। आगे चलकर स्कूल स्तर की यात्राओं को इस पर्यटन सर्किट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। सरकार इंदु मिल में डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के स्मारक को जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हमारी सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति और सामाजिक न्याय के अनुरूप काम करेगी।

केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि बाबा साहेब ने जाति, भाषा और धर्म से परे मानवता के हित के लिए काम किए और उनकी तरफ से देश हित में दिया गया संविधान सभी के लिए एक मार्गदर्शक है। संविधान निमार्ता के रूप में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। टूरिज्म टूर सर्किट के जरिए उनके विचार सभी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

टॉफी पर दो भाइयों में तकरार... बड़े ने लगाई फांसी

गाजियाबाद : गाजियाबाद में एक किशोर ने महज टॉफियों के विवाद से आहत होकर फांसी लगा ली। किशोर 11वीं का छात्र था। परिवार वालों ने बताया कि शुक्रवार 25 नवंबर को बड़े बेटे का जन्मदिन था। इस पर परिवार की ओर से एक पार्टी का आयोजन किया गया था। सब कुछ ठीक रहा लेकिन दोनों भाइयों में टॉफी को लेकर विवाद हो गया था। इस छोटी सी बात को बड़े बेटे ने दिल से लगा लिया और फंदे से लटकर जान दे दी।

वहीं पुलिस को सूचना दिए बिना ही परिजनों ने बेटे का अंतिम संस्कार कर दिया। बलिया निवासी एक फैक्टरी कर्मी गजरौला में सहकारी समिति के पीछे रहता है। उनके दो बेटे थे। एक बेटा 11वीं का छात्र था। शुक्रवार को उसका जन्मदिन था, जिसे धूमधाम से मनाया गया। रात में बेटे के जन्मदिन की दावत खाने के बाद उसके पिता ड्यूटी पर चले गए। डीजे बंद होने पर 11वीं के छात्र का छोटे भाई से टॉफियों को लेकर विवाद हो गया। छोटा भाई और मां नीचे सो गए, जबकि 11वीं का छात्र ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में चला गया, जहां उसने फंदे से लटक कर जान दे दी। शनिवार की सुबह उसका शव फंदे पर झूलते देख परिजन में खलबली मच गई। उन्होंने आनन फानन में पुलिस को सूचना दिए बिना ही तिगरी गंगा तट पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। सीओ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है।

कॉलेज में दोस्तों को बांटी थी टॉफी

जन्मदिन पर छोटे भाई से तकरार के चलते मौत को गले लगाने वाला 11वीं का छात्र पढ़ाई लिखाई में होशियार था। कॉलेज के छात्रों से अच्छी दोस्ती थी। जन्मदिन पर वह कॉलेज गया तो उसने साथियों को टॉफियां बांटी थीं। टॉफियों की संख्या को लेकर उसका घर में छोटे भाई से विवाद हो गया था।

बेस्ट के बस स्टॉप पर अधिक संख्या में उपलब्ध होगी दो पहिया बाइक

मुंबई : बस से उतरने के बाद यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए बेस्ट प्रशासन ने इलेट्रिक की बाइक उपलब्ध कराई है। बेस्ट अब इसकी संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है जिससे अधिक संख्या में यात्रियों को लाभ मिल सके।अभी 700 इलेक्ट्रिक दो पहिया बाइक उपलब्ध थी जिसकी संख्या बढ़ाकर 1 हजार किया जा रहा है। इस तरह की जानकारी बेस्ट के अधिकारियो ने दी। बेस्ट में सफर करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा मिले जिससे बेस्ट की कमाई भी बढ़े इसको लेकर बेस्ट रोजाना नया नया प्रयास कर रही है। बेस्ट की बस संख्या बढ़ने के बाद यात्रियों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है।बेस्ट प्रशासन अब बस में सफर करने वाले यात्रियों को और अधिक सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर तेजी से कदम बढ़ा रही है। बेस्ट बस में सफर करने वाले यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में पैदल का रास्ता तय करना पड़ता है। बेस्ट प्रशासन ने इसी समस्या को देखते हुए जून 2022 से बस स्टॉप के पास दो पहिया वाहन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया जिससे बस यात्री समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सके।बेस्ट प्रशासन ने अंधेरी इलाके में प्रायोगिक तौर पर 40 स्थानों पर 700 इलेक्ट्रिक बाइक उपलब्ध कराई थी । जिसका फायदा देखकर अधिक जगहों पर इलेक्ट्रिक बाइक उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया था। बेस्ट प्रशासन ने अब अधिक जगहों पर खासकर जिन स्थानों पर नौकरी पेसे वाले अधिक है उन स्थानों पर अब 1 हजार और इलेक्ट्रिक बाइक उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया।

गुवाहाटी में CM शिंदे संग नहीं गए 4 मंत्री और 2 विधायक, नाराजगी या फिर कोई और वजह?

गुवाहाटी में सीएम एकनाथ शिंदे ने कामाख्या देवी के दर्शन किए

मुंबईः महाराष्ट्र की सत्ता बदलने में गुवाहाटी का मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके विधायकों के लिए एक अहम स्थान रहा है। सत्ता परिवर्तन के बाद एकनाथ शिंदे दोबारा अपने तमाम समर्थक विधायकों, सांसदों और उनके परिजनों के साथ गुवाहाटी में कामाख्या देवी माता के दर्शन और पूजा अर्चना के लिए गए हुए हैं। मुख्यमंत्री के इस गुवाहाटी दौरे में उनके सभी सांसदों और विधायकों के जाने की बात काफी दिनों से कहीं जा रही थी। इस दौरे के पीछे देर होने की एक वजह यही थी कि सभी लोगों को साथ लेकर सीएम गुवाहाटी जाना चाहते थे। बावजूद इसके शिंदे के गुवाहाटी दौरे में चार मंत्री और दो विधायक नहीं आए हैं। मंत्रियों और विधायकों के नदारद होने के बाद महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर से एकनाथ शिंदे गुट में नाराजगी की अटकलें सामने आने लगी हैं।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज गुवाहाटी में कामाख्या देवी के दर्शन

किये। सीएम के गुवाहाटी पहुंचने पर उनका और उनके साथ गए सभी लोगों का भव्य स्वागत भी किया गया। हालांकि, इस दौरे में मंत्री गुलाबराव पाटिल, मंत्री शंभूराज देसाई, मंत्री अब्दुल सत्तार, मंत्री तानाजी सावंत, विधायक चंद्रकांत पाटिल और महेश शिंदे गायब रहे।

क्यों नहीं गए मंत्री और विधायक ?

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ गुवाहाटी न जाने पर चारों मंत्री और दोनों विधायकों ने अपनी सफाई पेश की है। विधायक चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि मेरी इच्छा थी कि गुवाहाटी में जाकर मां कामाख्या देवी के दर्शन करूं लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में कई शादी के कार्यक्रम थे। जहां मेरी उपस्थिति होना बेहद जरूरी था। इस वजह से मैं गुवाहाटी नहीं जा पाया। मंत्री गुलाबराव पाटिल ने बताया कि उनके इलाके में स्थानीय चुनाव होने हैं। इस बारे में मैंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भी बताया था। साथ ही उन्हें विनती कर गुवाहाटी आ पाने में अपनी असमर्थता जताई थी। मंत्री अब्दुल सत्तार ने बताया कि नासिक जिले में उनके पहले से कार्यक्रम तय थे, जहां उनकी मौजूदगी जरूरी थी। सत्तार ने भी यह बात सीएम शिंदे को बताई थी।

एकतरफ जहां शिंदे गुट के विधायकों और मंत्रियों की नाराजगी की खबरें सामने आ रही हैं वहीं दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे गुट की तरफ से एकनाथ शिंदे की गुवाहाटी दौरे पर तंज कसा गया है। ठाकरे गुट की तरफ से यह सवाल किया गया है कि क्या महाराष्ट्र में भगवान की कमी है जो मुख्यमंत्री गुवाहाटी के दौरे पर गए हैं। यह सवाल सांसद संजय राउत ने किया है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ विशेष चार्टर्ड प्लेन से उनके विधायक, सांसद और मंत्रियों के परिजन समेत 180 लोग गुवाहाटी में मां कामाख्या देवी के दर्शन के लिए गए हैं। अब सीएम के दौरे पर समाज सेविका अंजली दमानिया ने यह सवाल उठाया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार, 28 नवंबर 2022

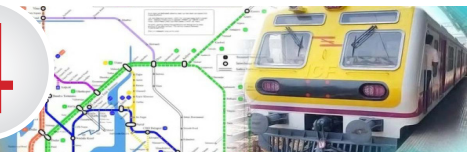

शिवसेना और उद्धव ठाकरे के लिए

१०० दिन क्या...

आजीवन कारावास जाने के लिए तैयार हूं! -राऊत

मुंबई : बुलढाणा में किसानों की विशाल सभा को संबोधित करते हुए शिवसेना नेता व सांसद संजय राऊत ने 'मिंधे' सरकार और गद्दारों पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि मैं शिवसेना और उद्धव ठाकरे के लिए १०० दिन क्या, आजीवन कारावास की सजा काटने को तैयार हूं। विराट जनसभा को संबोधित करते हुए संजय राऊत ने पूछा कि शिवसेना का चुनाव चिह्न क्या है? इस पर वहां मौजूद शिवसैनिकों की भीड़ ने एक स्वर में मशाल उठाकर जवाब दिया। उपस्थित लोगों का उत्साह देखकर संजय राऊत ने कहा कि शिवसेना को प्रचार करने की जरूरत नहीं है और ये जलती मशालें गद्दारों के खोके जलाए बिना नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा कि यह भूमि राष्ट्रमाता मांसाहेब जीजाऊ की है। जिस राष्ट्रमाता ने हमें हिंदू स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज को दिया, उसी भूमि में विश्वासघात के बीज बोए गए हैं, इन बीजों को हमेशा के लिए जड़ से उखाड़ने के लिए मशालें जलाई जाएंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि हमें शपथ लेनी चाहिए कि एक भी खोके वाला दोबारा नहीं चुना जाना चाहिए। बुलढाणा में कितने खोके आए। अधिकांश खोके बुलढाणा में ही आए हैं। 'एक फुल दो हाफ' मतलब एक सांसद और दो विधायक। आज वे लोग वहां गुवाहाटी में देवी का दर्शन कर अपनी मन्नतें पूरी करने गए हैं क्या? महाराष्ट्र में देवता खत्म हो गए हैं क्या? सबसे बड़े देवता, राष्ट्रमाता जीजाऊ का मंदिर, रेणुका देवी का मंदिर बुलढाणा जिले में है और वे लोग गुवाहाटी गए। संजय राऊत ने कहा कि महाराष्ट्र संतों की भूमि है। ज्ञानेश्वर ने भेड़ों से वेद बुलवाए और मुख्यमंत्री ४० भेड़ों की बलि देने के लिए गुवाहाटी गए हैं। इस राज्य का क्या दुर्भाग्य है।

कोस्टल रोड की सलाह हुई महंगी...!

34 करोड़ से बढ़कर 50 करोड़ पहुंचा खर्च

मुंबई : कोस्टल रोड का काम तेजी से चल रहा है।कोस्टल रोड के निर्माण पर खर्च नही बढ़ा लेकिन उसके सलाहकार का खर्च बढ़ गया है। कोस्टल रोड के निर्माण में समय बढ़ने के कारण सलाहकार का खर्च बढ़ता जा रहा है। पिछले चार साल के दौरान सलाहकार के खर्च में 15 करोड़ की बढ़ोत्तरी हुई है। प्रिंसेस स्ट्रीट से वर्ली सिलिंक तक बन रहे कोस्टल रोड का तीन चरणों में शुरू है। विभिन्न कारणों जिसमे मुख्य रूप से कोर्ट में मामला जाने के बाद कोस्टल रोड के निर्माण में समय बढ़ गया है। कोस्टल रोड का काम तीन चरणों में पहले नवंबर 2023 में पूरा होने वाला था। मच्छी मारने वालो को होने वाले नुकसान को लेकर मामला हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक गया।मामला कोर्ट में जाने के कारण कोस्टल रोड के काम को पूरा होने में समय अधिक लगने लगा है। मनपा कोस्टल रोड का ठेका देते समय ठेकेदार को समय पर काम पूरा नहीं होने पर दंड लगाने का प्रावधान रखा था ।इसी तरह कोस्टल रोड के निर्माण में देरी होने पर किसी तरह का अधिक भुगतान नहीं किए जाने का अनुबंध किया गया था।

लेकिन सलाहकार से ऐसा कोई अनुबंध नही हुआ था। जिसके चलते सलाहकार का पैसा बढ़ता जा रहा है।पहले सलाहकार से 36 महीने का अनुबंध 2016 में 36 करोड़ का किया गया था।अब कोस्टल रोड के काम को पूरा होने में 68 महीने का समय लगेगा।इसके पहले कोस्टल रोड का काम 36 महीने से बढ़ाकर 48 महीने में पूरा होने का अनुमान लगाया गया था। इस समय भी सलाहकार का खर्च बढ़ाया गया था। अब कोस्टल रोड का काम 68 महीने में पूरा करने की समय सीमा दी गई है जिसके चलते सलाहकार का खर्च अब 5 करोड़ रुपया और बढ़ाकर 50 करोड़ पहुंच गया है । कोस्टल रोड के बनाने में दो बार हुई समय की बढ़तरी के कारण सलाहकार का कुल खर्च पहले जो 36 करोड़ था अब वह बढ़कर 50 करोड़ पहुंच गया है।

500-1,000 के पुराने नोट पड़े हैं तो नष्ट न करें!

...क्या पता, बदलकर नए देने का आदेश आ जाए?

नोटबंदी की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में मिले संकेत

नई दिल्ली : जिस मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले ने पूरे देश को हिला डाला था, उसकी इन दिनों सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। अभी भी बहुत से लोग ऐसे हैं जिनके पास पुराने १,००० और ५०० के नोट पड़े हैं, जो विभिन्न कारणवश नहीं बदले जा सके थे। अब सुनवाई के दौरान कुछ ऐसी बातें कोर्ट में हुई हैं, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि ये नोट अभी भी बदले जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नोटबंदी को चुनौती देनेवाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान एक बयान दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'भारतीय रिजर्व बैंक को उन व्यक्तियों द्वारा किए गए वास्तविक आवेदनों पर विचार करना चाहिए, जो पुराने करेंसी नोटों को बदलवाने की समय सीमा से चूक गए हैं।' पांच जजों जस्टिस एस. अब्दुल नजीर, बी.आर. गवई, ए.एस. बोपन्ना, वी. रामासुब्रह्मण्यम और बी.वी. नागरत्न की बेंच ५०० और १,००० रुपए के नोटों को विमुद्रीकृत करने के ८ नवंबर के पैछसले की वैधता पर विचार कर रही है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, देश के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने कहा, 'विमुद्रीकृत नोटों को बदलने की तारीखों का विस्तार नहीं किया जा सकता। लेकिन रिजर्व बैंक आवेदकों द्वारा आवश्यक शर्तों को पूरा करने और केंद्रीय बैंक की संतुष्टिवाले कुछ व्यक्तिगत मामलों पर विचार करेगा।' वेंकटरमणि आरबीआई के पास आए ७०० आवेदनों के बारे में बात कर रहे थे। अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट में नोटबंदी की अधिसूचना का बचाव किया। उन्होंने कहा कि नोटबंदी को, जाली नोटों की समस्या, काला धन और आतंकवाद की समस्या को रोकने के लिए लागू किया गया था। सरकार का कहना है कि नोटबंदी को रिजर्व बैंक कानून १९३४ के नियमों के तहत लागू किया गया था। सरकार का कहना है कि छह साल बाद याचिकाओं पर विचार करना एक शैक्षणिक कवायद है, इसका कोई मतलब नहीं रह गया है। सुप्रीम कोर्ट नोटबंदी को चुनौती देनेवाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। इनमें कहा गया है कि उनके पास पुराने नोट पड़े हैं। एक याचिकाकर्ता ने कहा कि उसके पास एक करोड़ रुपए से ज्यादा के पुराने नोट रखे हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि आप इन्हें संभालकर रखिए। एक याचिकाकर्ता ने कहा कि वे नोटबंदी के समय विदेश में थे। नोट बदलवाने की तारीख मार्च से पहले बंद हो चुकी थी, जबकि कहा गया था कि विंडो मार्च के आखिर तक खुली रहेगी।

राज्यपाल को हटाने की मुहिम चलाई जाए: आदित्य

कोश्यारी राज्यपाल नहीं, राजनीतिक नेता

मुंबई : शिवसेना नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे का कहना है कि महाराष्ट्र के राज्यपाल, राज्यपाल नहीं, बल्कि एक राजनीतिक नेता हैं। राज्यपाल ने हमें सत्ता से बाहर कर दिया। हमारे कार्यकाल के दौरान विधानसभा अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की गई, लेकिन सरकार बदलने के तुरंत बाद विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। साथ ही राज्यपाल ने विधान परिषद में नियुक्त होने वाले 12 विधायकों का मामला लंबित रखा। ऐसे में राजनीतिक राज्यपाल को हटाने के लिए विशेष मुहिम चलानी चाहिए।

वे बोरीवली में युवा सेना के महायूथ फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित रोजगार में बोल रहे थे। इस मौके पर आदित्य ठाकरे ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का नाम नहीं लेते हुए उन पर निशाना साधा। आदित्य ने कहा कि महाराष्ट्र में ये राज्यपाल नहीं चलेंगे। वे राज्यपाल नहीं, राजनीतिक नेता हैं। उन्होंने विवादित बयान देने वाले योग गुरु रामदेव बाबा की भी आलोचना की। आदित्य ने कहा कि उनका बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे यह सवाल उठता है कि हम महिलाओं को किस नजर से देखते हैं। इस दौरान आदित्य ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुवाहाटी दौरे की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र से परियोजनाएं बाहर जा रही हैं। बेरोजगारी बढ़ रही है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com